कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures) | | | | | | | |

(In Words) ----------

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में ----

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय संस्कृत

परीक्षा का दिन.....

दिनांक .....

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Roundoff)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर ..... संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तक के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 159/2016

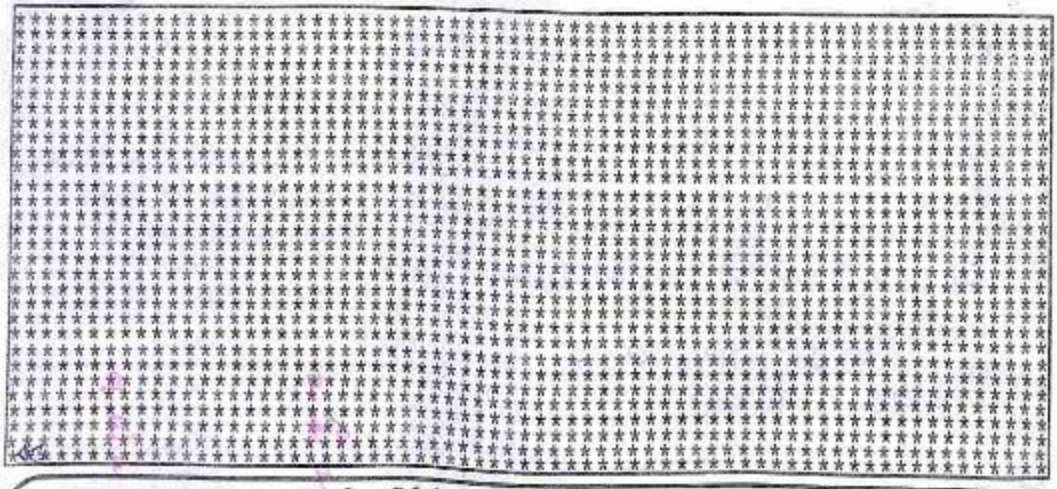

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंसा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तकें, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

① (क) 1. सरस्वतीनदी ।
2. नदीनां संगमेषु

(ख) 1. प्रयागनगरं गंगानदी, यमुनानदी सरस्वतीनदी च संगमे तिसृणां नदीनां संगमे उत्तरप्रदेशे तिष्ठति।

(ग) (i) अपूज्या - पूज्या ।
(ii) कर्ता - जना: ।
(iii) विशेषण - पवित्रतमा ।
(iv) क्रियापद - सन्ति

② (क) (i) चाणक्येन ।
(ii) सिद्धान्तशिरोमणौ - गणितशास्त्रे ।
(iii) सद्गुणकस्य ।
(iv) चरकसुश्रुतयो: ।

(ख) (i) भारतसर्वकारस्य राजचिह्न अशोकचक्रं अस्ति ।
(ii) विद्ययाऽमृतमश्नुते एवमेव इति राष्ट्रिय शैक्षिक अनुसंधान प्रशिक्षणपरिषदस्य ध्येय वाक्य वर्तते ।
(iii) कालिदासस्य सदृशानां विश्वकवीनां काव्यसौन्दर्यम् अनुपमम् ।

(ग) शीर्षक - 'संस्कृतभाषाया: महत्त्वम्

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(घ)
(i) विशेषण पदं - सर्वोत्तमा ।
(ii) कर्तृ पद - अङ्गणकविशेषज्ञाः ।
(iii) अनिवार्य का विलोम - विकल्प ।
(iv) क्रियापदं - सन्ति ।

(4) मञ्जूषा
(आपणम्, शीघ्रम, पुस्तकम, फलानि, करोषि
शतम्, स्यूतम्, आगमिष्यामि)

पिता - पुत्र ! किं (i) करोषि त्वम् ?
पुत्रः - (ii) पुस्तकं पठामि पितः ।
पिता - पुत्र ! (iii) आपणं गत्वा आगमिष्यसि
किम् ?
पुत्रः - पितः (iv) शीघ्रम् लिखित्वा
गमिष्यामि ।
पिता - आपणतः (v) फलानि आनय ।
पुत्रः - (vi) शतम् रूप्यकाणि यच्छतु ।
पिता - (vii) स्यूतम् नीत्वा आपणं गच्छ ।
पुत्रः - अहं गत्वा शीघ्रम्
(viii) आगमिष्यामि ।

(7) (i) प्रति + आगच्छति = प्रत्यागच्छति
(यण् स्वरसन्धि)
(ii) मनोरथः = मनः + रथः (उत्वविसर्ग सन्धि)
(iii) वाक् + ईशः - वागीशः
(जशत्व व्यंजन सन्धि)

3

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(3) चारूनगरात्
11-10-15

पूजनीया: मातृचरणा: ।
नमोनम: । अत्र (i) कुशलं तत्रास्तु । मम विद्यालये (ii) वार्षिकोत्सव: आसीत् । तत्र अहम् एकम् (iii) अभिनयम् कृतवान् । मन्त्रिमहोदय: (iv) मुख्यातिथि: रूपेण आगतवान् । मम (v) अध्ययनम् सम्यक चलति । गृहे (vi) सर्वेभ्य: नमोनम: । अहं (vii) पितरम् प्रणमामि ।

(viii) भवदीय:
सुरेश

(5) (i) एक: जम्बुक: अस्ति । स: एकदा । (ii) आहारार्थम् वने भ्रमति । एकत्र स: द्राक्षालतां (iii) पश्यति । लतायाम् । (iv) अनेकानि द्राक्षाफलानि सन्ति । तानि (v) पक्वानि । द्राक्षा खादितुम उपरि (vi) उत्पतति । तथापि फलानि न प्राप्नोति । जम्बुक: (vii) कुपित: भूत्वा द्राक्षाफलानि दूषयति । अनन्तरं स्वस्थानं (viii) गच्छति ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(7) (i) शरीरम्
शरीरायासजननं कर्म व्यायामसंज्ञितम्।
तत्कृत्वा तु सुखं देहं विमृदनीयात् समन्ततः॥

(ii) श्रमक्लमपिपासोष्ण-शीतादीनांसहिष्णुता
आरोग्यं चापि परमं व्यायामादुपजायते॥

(8)
(i) पीताम्बरं - पीतं च तत् अम्बरम्
(कर्मधारय समास)
(ii) केशवः गोपालः च - केशवगोपालौ
(द्वन्द्व समास)
(iii) प्रतिकूलम् - न अनुकूलम् इति
(अव्ययीभाव समास)

(9) (i) लोकहितं मम करणीयम्।
(ii) अहं गच्छन् न खादामि।
(iii) लोके नरत्वम् दुर्लभम्।
(iv) सा बालिका मधुरं गायति।

(10)
(i) यथा गुरुः तथा शिष्यः।
(ii) ह्यः हंसः मोमहासरः आसीत्।
(iii) उच्चैः मा हसत।
(iv) ज्ञानं विना न सुखम्।

(11) (i) तया गीता पठ्यते।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ii) अहं नाटकं पश्यामि ।
(iii) त्वया कुत्र स्थीयते ?
(iv) सः भोजनं पचति ।

(12) (i) संस्कृतसमाचारः प्रतिदिनं प्रातः पादोन सप्तवादने आगच्छति ।
(ii) अहं सार्ध अष्ट वादने कार्यालयं गच्छामि ।
(iii) वयं रात्रौ दश वादने शयनं कुर्मः ।

(13) (i) अत्र द्वौ बालकौ पठतः ।
(ii) 20 - विंशतिः

(14) (i) शुद्ध - पित्रा सह पुत्रः गच्छति ।
(ii) शुद्ध - त्वं तत्र गच्छ ।

(15)
(क) (i) सुपुष्टदेहः ।
(ii) अभियुक्तः ।

(ख) (i) परान्छादितं देहं स्कन्धेन वहन्तौ न्यायाधिकरणं प्रति प्रस्थितौ ।

(ग) कर्तृपदं - उभौ (आरक्षी अभियुक्तं च)
(घ) विशेषणपदं - दुष्करम् ।
(ङ) क्रियापदं - न्यस्यसे ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(16)
(क) (i) पण्डितो जनः
(ii) पशुना

(ख) परेङ्गितज्ञानफलाः बुद्धयः भवन्ति।

(ग) 'उदीरितः अर्थः' विशेष्यपदं - 'अर्थः'

(घ) 'नागाः वहन्ति' कर्तृपदं - 'नागाः'

(ङ) 'अश्वाः' पर्यायपदं - 'हयाः'

(17)
(क) (i) राजापथप्रकाशिणोऽमात्यपराक्रमस्य।
(ii) प्रच्छादनम्

(ख) (i) पूर्वं राजपुरुषाः गृहजनं गृहेषु निक्षिप्य देशान्तरं व्रजन्ति।

(ग) 'सत्यम्' विलोमपदं - 'अनृतम्'।

(घ) 'गृहजनः आसीत्' क्रियापदं - 'आसीत्'।

(ङ) 'भीताः राजपुरुषाः' विशेषण पदं - भीताः।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(18) "आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः"
भावबोधम् :
मानवाणां शरीरे स्थित: आलस्य: तेषाम् महान् शत्रु: भवति। येन प्रकारेण शत्रु: अस्मान् हानि: प्रेषयति तेनैव आलस्यं अपि अस्मान् हानि: एव प्रेषयति।

(19) (i) बलिनां स्निग्धभोजिनाम्।
(ii) सदा हि व्यायामो पथ्यो।
(iii) तेषां स शीते च वसन्ते च।
(iv) पथ्यतम: स्मृत:।

(20) (i) कस्य आयासजननं कर्म व्यायाम: इति कथ्यते?
(ii) व्याघ्रं दृष्ट्वा धूर्त: क: अवदत्?
(iii) भार्या कुत्र/कस्मिन् संलग्ना अस्ति?

(21) कथा क्रमानुसारं :
1. एकस्मिन् वने शृगाल: बक: च निवसत:स्म
2. एकदा प्रात: शृगाल: बकम् अवदत् - श्व त्वं मया सह भोजनं कुरु।
3. स: बक: भोजनाय अग्रिमदिने शृगालस्य निवासम् अगच्छत्।
4. कुटिल: शृगाल: स्थाल्यां बकाय क्षीरोदनम् अयच्छत्।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

5. भोजनकाले वकस्य चञ्चुः स्थालीतः भोजनं ग्रहणे समर्थः न अभवत्।
6. वकः केवलं क्षीरोदनं अपश्यत् के शृगालः सर्वम् अभक्षयत्।

(11) (क) (ख)

*शब्द	*समानार्थकशब्दाः
काकाः	वायसाः
सम्प्रति	अधुना
उरगः	सर्पः
अहरहः	प्रतिदिनम्
करी	गजः
खरः	गर्दभः

"समाप्त"

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर